नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

कुलदीप नैयर को हिंदी विश्वविद्यालय की श्रद्धांजलि

वर्धा, 23 अगस्त 2018: भारतीय पत्रकारिता जगत के अहम चेहरा रहे वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप नैयर को महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में प्रशासनिक भवन में शोकसभा रखी गयी थी। विदित हो कि कुलदीप नैयर जी विश्वविद्यालय के तेरहवें स्थापना दिवस पर 29 दिसंबर 2010 को विश्वविद्यालय आए थे। उस समय बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने व्याख्यान भी दिया था।

उनका 95 साल की उम्र में बुधवार को निधन हो गया। कुलदीप नैयर भारत के प्रसिद्ध लेखक एवं पत्रकार थे। उनका जन्म 14 अगस्त 1924, सियालकोट (पाकिस्तान) में हुआ। वे भारत सरकार के प्रेस सूचना अधिकारी के पद पर

कई वर्षो तक कार्यरत थे। वे यू. एन. आई, पी.आई. बी., द स्टेटसमैन, इंडियन एक्सप्रेस के साथ लंबे समय तक जुडे रहे।

नैयर जी दिल्ली के समाचार पत्र द स्टेट्समैन के संपादक थे। वह एक मानवीय अधिकार कार्यकर्ता और शांति कार्यकर्ता भी थे। वह 1996 में संयुक्त राष्ट्र के लिए भारत के प्रतिनिधिमंडल के सदस्य थे। 1990 में उन्हें ग्रेट ब्रिटेन में उच्चायुक्त नियुक्त किया गया था, अगस्त 1997 में राज्यसभा में नामांकित किया गया था। वे डेक्कन हेराल्ड (बेंगलुरु), द डेली स्टार, द संडे गार्जियन, दन्यूज, द स्टेट्समैन, द एक्सप्रेस ट्रिब्यून पाकिस्तान, डॉन् पाकिस्तान, प्रभसाक्षी सहित 80 से अधिक समाचार पत्रों के लिए 14 भाषाओं में कॉलम और ऐप-एड लिखते थे।

उनकी बिटवीन द लाइन्स, इंडिया आफ्टर नेहरू, वाल एट वाघा, इंडिया पाकिस्तान रिलेशनशिप, इंडिया हाऊस आदि पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। द डे लुक्स ओल्ड के नाम से प्रकाशित कुलदीप नैयर की आत्मकथा भी काफी चर्चित रही है। सन 1985 से उनके द्वारा लिखे गये सिण्डिकेट कॉलम विश्व के अस्सी से ज्यादा पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं। शोकसभा में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने शोक प्रस्ताव पढ़ा। श्री नैयर जी को दो मिनट का मौन रखकर मौन श्रद्धांजलि भी अर्पित की गयी। शोक सभा में प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा सहित अधिष्ठाता, अध्यापक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।